Dainik Jagran (Hindi)
(Gorakhpur Ed.)
March 27, 2018
Pg.9

EDII

प्रयास से मिलेंगे अच्छे परिणाम

'वैश्विक सन्दर्भ में उद्यमिता संवर्द्धन : मुद्दे तथा चुनौतियां' पर संगोष्ठी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: भारत में उद्यमिता को लेकर आमजन में काफी उत्साह रहता है। यहां चुनौतियां तो बहुत हैं, बावजूद इसके उद्यमिता विकास की काफी अच्छी संभावनाएं है तथा अनेक बाधाओं के बावजूद उद्यमिता विकास के अच्छे परिणाम व आशावादी भावी संकेत मिल रहे हैं।

यह बात दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 'वैश्विक सन्दर्भ में उद्यमिता संवर्द्धन : मुद्दे तथा चुनौतियां' विषय पर सोमवार से शुरू हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ल ने कही। आइटीएम जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रोफेसर योगेश उपाध्याय के अनुसार भारत में उद्यमिता को लेकर आमजन में काफी उत्साह रहता है तथा लोग नए उपक्रम शुरू करना चाहते हैं। पर यहां की नौकरशाही, सामाजिक संरचना, आर्थिक नीतियों आदि में काफी परिवर्तन लाना होगा। गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि विश्व आर्थिक प्रतिद्वन्दियों तथा विश्व खुशहाली सूचकांक के अधिकांश मानकों पर भारत विश्व ही नहीं, एशिया के भी कई देशों से काफी पीछे चल रहा है। विषय प्रवर्तन प्रो. आरपी सिंह ने किया। संगोष्ठी निदेशक प्रो. अवधेश कुमार तिवारी, प्रो. हेमशंकर वाजपेयी सचिव प्रो. संजय बैजल मौजूद थे। पहले दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र 'नैतिक उद्यमिता सहित आर्थिक वृद्धि तथा विकास के चालक रुप उद्यमिता' पर था। अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्रो. आरके सिंह ने की तथा संचालन प्रो. आनन्दसेन गुप्ता ने किया। इस सत्र में अनेक पत्र पढ़े गए। द्वितीय तकनीक सत्र 'उद्यमिता तथा नवाचार' पर था। अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के प्रो. अविनाश पथार्डिकर ने की। इस सत्र में महिलाओं में उद्यमिता, राजनीतिक उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, डिजिटल उद्यमिता आदि मुद्दों पर शोध पत्र पढ़े गए।

संगोष्ठी में प्रो वीपी सिंह, प्रो सुधीर शुक्ल, प्रो योगेश उपाध्याय, प्रो वीके पांडेय व अन्य